...वत शिल्प हाट में आयोजित नोएडा शिल्पोत्सव में नृत्य प्रस्तुत करती ...जागरण

सेक्टर–33 स्थित शिल्प हाट में आयोजित नोएडा शिल्पोत्सव में गीत गाती लोकगायिका मालिनी अवस्थी ● जागरण

सेक्टर–33 स्थित शिल्प हाट में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते यूपी ट्रेड प्रमोशन अथॉरिटी के सीईओ मनीष चौधरी ● जागरण

...से चल रहे शिल्पोत्सव ...ारिक समापन शनिवार ...म स्थल पर किया गया। ...हरवासियों के लिए समापन ...म को होगा। लोग रविवार ...खरीदारी कर सकेंगे। इसके ... बजे से एक बजे तक ...ोता का आयोजन किया

...ड़ी स्टारग्लिप्स ग्रुप की ...तियोगिता, मॉडलिंग व ...ग आदि प्रतियोगिताएं ...ाएगी।

उत्पाद प्रदर्शनी के लिए निश्शुल्क स्थान मुहैया कराएंगे : मनीष

जागरण संवाददाता, नोएडा : शिल्प कला के कद्रदानों के लिए नोएडा शिल्पहाट बेहतर विकल्प बनकर उभरेगा। नोएडा प्राधिकरण और सूक्ष्म, लघु एंव माध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) मिलकर एक योजना बना रहे हैं। अगले एक माह में यूपी ट्रेड प्रमोशन अथॉरिटी (यूपीटीपीए) व शिल्प हाट की देखरेख कर रही आइटीई कंपनी के बीच समझौता होने जा रहा है। समझौते के तहत एक जिला एक उत्पाद स्कीम (ओडीओपी) के 50 स्टॉल स्थायी रूप से यहां लगाए जाएंगे। यूपीटीपीए प्रदेश के शिल्पियों को यहां अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने के लिए निश्शुल्क स्थान मुहैया कराएगी। यह बात शनिवार को यूपी ट्रेड प्रमोशन अथॉरिटी के सीईओ मनीष चौधरी ने कही। वह शनिवार को नोएडा हाट में आयोजित शिल्पोत्सव के अंतिम दिन शिरकत करने आए थे। इस दौरान उनके साथ जिला उद्योग केंद्र एवं निर्यात प्रोत्साहन उपायुक्त अनिल कुमार मौजूद रहे। वहीं, मनीष चौधरी ने बताया कि नोएडा हाट में नोएडा प्राधिकरण की ओर से 21-29 दिसम्बर तक शिल्पोत्सव का आयोजन किया गया है जिसमें एमएसएमई की ओर से 27 उत्पादों के साथ 50 स्टॉलों के साथ प्रतिभाग किया गया हैं। इसमें उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश भर के कोनों-कोनों से उद्यमियों ने अपने-अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा की एक जिला एक उत्पाद को लेकर सहारनपुर, हापुड़, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ, कानपुर, आगरा, लखनऊ, मेरठ, मुरादनगर समेत अन्य जिलों की प्रदर्शनी शिल्प हाट में लगाई गई है। चौधरी ने बताया कि शिल्पोत्सव में पहले दिन से ही नोएडावासियों की खासा भीड़ देखने को मिली, जिससे सभी उद्यमियों का उत्साह बढ़ा है। जिसे देखकर एमएसएमई नोएडा हाट में एक साल के लिए 50 स्टॉलों को किराये पर लेने के लिए विचार कर रहा है, वहीं, भविष्य में इस करार को बढ़ाया भी जा सकता है। जिससे एक जनपद एक उत्पाद स्कीम को बढ़ावा मिल सके।

...ाओं को सशक्त बनाएं : सुरेश

नौकरी के नाम पर मलेशिया

फंदे पर लटकता मिला विवाहिता का शव